RNI-RAJBIL/2009/32418

Vol: 8, Issue : 1, January-June 2016

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूं में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान) में प्रकाशित ।सम्पादक–नेपाल चन्द गंग

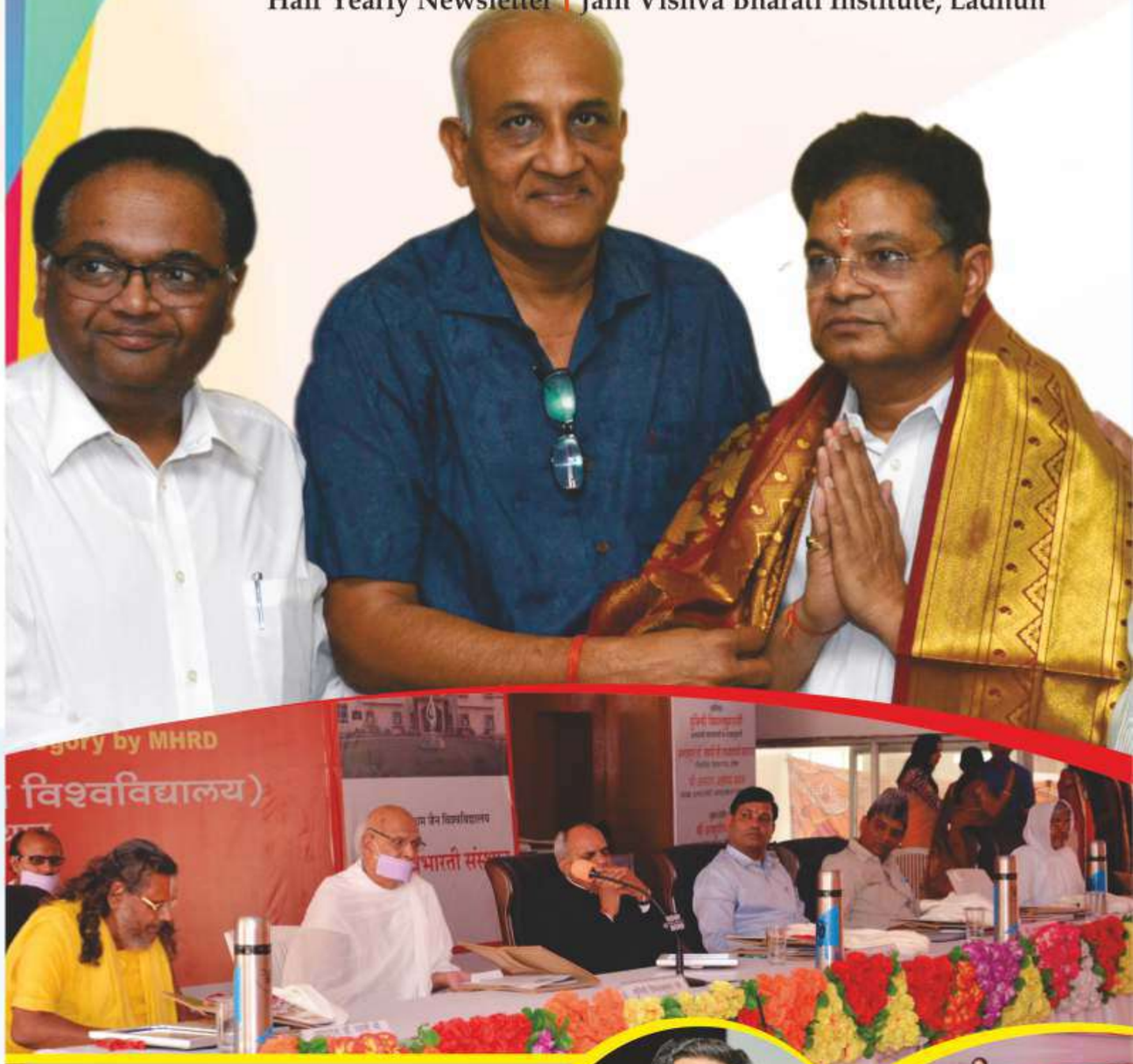

A graded by NAAC

NAAC Re-accredited 'A' Grade Certificate

Samvahini

वर्ष-8, अंक-1
जनवरी-जून, 2016
जैन विश्वभारती संस्थान
(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक
प्रो. बच्छराज दूगड़
कुलपति

सम्पादक
नेपाल चन्द गंग

कम्प्यूटर एण्ड डिजाईन
पवन सैन

प्रकाशक
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूँ – 341306
नागौर, राजस्थान
दूरभाष : (01581) 226110 226230
फैक्स : (01581) 227472
E-mail : jvbiladnun@gmail.com
Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

नए प्रतिमान गढ़ता विश्वविद्यालय

आज जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय अपने उत्कर्ष के उस पड़ाव पर है, जहाँ इसका चहुँमुखी विकास दिनों दिन अधिक ऊँचाईयाँ प्राप्त करता जा रहा है।

आचार्य तुलसी ने जिन उद्देश्यों को लेकर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की - आचार्यश्री के वे सपने अब धीरे-धीरे साकार होने लगे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जैन दर्शन पर महत्त्वपूर्ण संगोष्ठियों का आयोजन, विश्वविख्यात विद्वानों की उसमें सहभागिता - विश्वविद्यालय के भविष्य की दशा एवं दिशा के प्रति हमें आवश्वस्त कर रहे हैं।

संस्थान के शीर्षस्थ कुलपति पद के लिए प्रो. बच्छराज दूगड़ का चयन - इस विश्वविद्यालय के उज्जवल भविष्य का शुभ संकेत है। विश्वविख्यात शिक्षाविद् प्रो. दूगड़ का 100 प्रभावशाली कुलपतियों में चयन होना उनकी विद्वता, कृतृत्व एवं उनका प्रभावशाली प्रशासन उन्हें एक अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व प्रदान कर रहा है। प्रो. दूगड़ की दूरदर्शिता एवं सामयिक सोच का ही फल है कि यह विश्वविद्यालय प्रतिदिन नए प्रतिमान गढ़ता जा रहा है।

अभी हाल ही में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय को वर्ष 2016 का 'बेस्ट यूनिवर्सिटी इन राजस्थान' अवार्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय को अभी इसी वर्ष बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एस.सी.-बी.एड. (चार वर्षीय पाठ्यक्रम) की स्वीकृति भी मिली है। अनेक महत्वपूर्ण रिसर्च प्रोजेक्ट भी यू.जी.सी. से प्राप्त हुए हैं। उपरोक्त समस्त उपलब्धियाँ इस विश्वविद्यालय की महत्ता एवं गुणवत्ता में बढ़ोतरी को तेजी से उजागर कर रही है।

निवर्तमान कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने अपना कार्यकाल पूरा कर नए कुलपति प्रो. दूगड़ को 30 अप्रैल, 2016 को अपना दायित्व सौंपा। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अन्तर्गत देश-विदेश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। इससे विश्वविद्यालय की ख्याति में और अधिक अभिवृद्धि हुई है।

कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कुलपति पदभार संभालते हुए कहा कि हमें विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं शोध के स्तर में अन्तर्राष्ट्रीय मानक के आधार पर सुधार करना है। उन्होंने यह बात केवल कही ही नहीं है बल्कि इस पर अमल भी प्रारंभ कर दिया है। उनकी सामयिक सोच एवं उनका ठोस चिन्तन इस विश्वविद्यालय को और अधिक ऊँचाईयाँ प्रदान करेगा, ऐसा विश्वास है।

– नेपाल चन्द गंग

प्रो. बच्छराज दूगड़ संस्थान के नए कुलपति नियुक्त

जैन विश्व भारती संस्थान के नए कुलपति के रूप में प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कुलपति का पदभार 30 अप्रैल 2016 को ग्रहण किया। कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने निवर्तमान कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण दायित्व को ग्रहण किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के ट्रस्टी रमेशचन्द बोहरा, प्रबन्ध मण्डल सदस्य बुधसिंह सेठिया ने शॉल ओढ़ाकर प्रो. दूगड़ का सम्मान किया। कुलपति प्रो. दूगड़ ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का और अधिक विकास कैसे हो, इस पर गहन चिन्तन करना है। इस ओर सार्थक कदम उठाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही विकास के शिखर को छुआ जा सकता है। इस अवसर पर जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के सभी सदस्य उपस्थित थे।

संस्थान को 'बेस्ट डीम्ड युनिवर्सिटी इन राजस्थान' का अवार्ड

जैन विश्व भारती संस्थान के लिए एशिया एजुकेशन सम्मिट नई दिल्ली द्वारा 'बेस्ट डीम्ड युनिवर्सिटी इन राजस्थान' अवार्ड की घोषणा की गयी। जैन विश्व भारती संस्थान को श्रेष्ठ शिक्षण सेवा व शैक्षणिक गतिविधियों के लिए वर्ष 2016 का यह अवार्ड दिया गया है। 15 मार्च को अशोका होटल नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह अवार्ड जैन विश्व भारती संस्थान के कुलाधिपति बसंतराज भंडारी को प्रदान किया गया। साथ में जैन विश्व भारती के मंत्री अरविंद गोठी एवं बुधसिंह सेठिया भी मौजूद थे। उक्त कार्यक्रम में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, सांसद किरण खेर, उदित राज, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनीन्द्रजीत सिंह, फिल्म अभिनेत्री दिव्या दत्ता, फिल्म निदेशक जयन्त गिलतार आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

नवनियुक्त कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ का स्वागत

निवर्तमान कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा का मंगलभावना समारोह

संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा का मंगलभावना समारोह 20 अप्रैल 2016 को समणी नियोजिका प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह में जैन विश्वभारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड ने जैन विश्व भारती संस्थान के नवनियुक्त कुलपति प्रो बच्छराज दूगड का शॉल एवं कुलसचिव प्रो अनिलधर ने बुके भेंट कर स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय उद्बबोधन में प्रो समणी ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि कुलपति का पद जिम्मेदारी का पद है। इस पद पर रहकर सबको साथ लेकर कुशलता से कार्य किया जा सकता है। समणी मधुर प्रज्ञा ने कहा कि प्रबल आत्मविश्वास के आगे कुछ भी असंभव नहीं है। डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने कहा कि पद पाने के बाद व्यक्ति की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। पूर्व कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि सबके सहयोग से ही विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण कार्य हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान के विकास के लिए हर एक व्यक्ति का सहयोग आवश्यक है। मंच पर ट्रस्टी भागचन्द बरड़िया व मंत्री अरविन्द गोठी भी मौजूद थे।

समारोह में नव नियुक्त कुलपति प्रो बच्छराज दूगड ने कहा कि संस्थान को विकसित करने में संस्थान के अनुशास्ताओं का विशिष्ट योगदान रहा है। सभी कुलपतियों ने विकास में योगदान दिया है। पुरूषार्थ को सब कार्यों का जनक बताते हुए कहा कि निरन्तर कर्म पथ पर चलते रहना सफलता की सीढ़ी है। कार्यक्रम में समणी चारित्रप्रज्ञा के साढ़े पांच वर्ष के कार्यकाल की वीडीओ सीडी का प्रसारण भी किया गया। मुमुक्षु बहनों ने परिसंवाद प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. आर.बी. एस. वर्मा, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा, प्रो. रेखा तिवारी, प्रो बीएल जैन, राकेश कुमार जैन, विजय कुमार शर्मा, डॉ जसवीर सिंह, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, सुश्री वीणा जैन, डॉ. शान्ता जैन सहित अनेक लोगों ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया।

प्रो. दूगड़ विद्या के सच्चे आराधक - सांसद सी.आर. चौधरी

संस्थान के नवनियुक्तकुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ का स्थानीय भैया बगीची में लाडनूँ नगर की 13 संस्थाओं द्वारा अभिनंदन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि नागौर सांसद सी.आर. चौधरी ने संबोधित करते हुये कहा कि यह विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट कार्य कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में प्रो. दूगड का चयन महत्वपूर्ण है। प्रो दूगड को विद्या का सच्चा आराधक बताते हुये उनके कार्यकाल में विशिष्ट कार्य होने की आशा व्यक्त की। सांसद ने इस विश्वविद्यालय को नैतिक मूल्यों का उत्कृष्ट संस्थान बताते हुए शिक्षा क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने का आह्वान किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विधायक मनोहरसिंह ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. बच्छराज दूगड़ ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि लाडनूं नगर एवं आस-पास के क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट कार्य किया जायेगा। प्रो. दूगड़ ने रचनात्मक कार्यों के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए नगर के सभी महानुभावों से इस विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर कार्य को गति देने की कामना की। इससे पूर्व प्रो. दूगड़ का सभी संस्थाओं द्वारा अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद सी.आर. चौधरी व विधायक मनोहरसिंह ने साफा शॉल व मोमेण्टो भेंट कर अभिनन्दन किया। अभिनन्दन-पत्र का वाचन चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हनुमानमल जांगिड़ ने किया। कार्यक्रम में पाबोलाब धाम के महन्त कमलेश्वर भारती व शहरकाजी मोहम्मद अयुब अशरफी, डॉ. बहादुरसिंह टण्डन, एसडीएम मुरारीलाल शर्मा, भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष ओमप्रकाश बागड़ा सहित अनेक महानुभाव उपस्थित थे। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष मन्नालाल बैद ने स्वागत भाषण दिया।

विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय से समाज को नई दिशा दी जा सकती है- केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन

विज्ञान एवं जैन दर्शन पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग की एक इकाई भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र (BMIRC) द्वारा आई.आई.टी. मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में 8 से 10 जनवरी 2015 तक विज्ञान एवं जैन दर्शन पर त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आई.आई.टी. मुंबई के बी.एम.सी.सी. सभागार में किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डॉ हर्षवर्द्धन ने कहा कि भगवान महावीर ने सम्पूर्ण मानवता के लिए सत्य व अहिंसा का संदेश दिया है। आज इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय के जरिए समाज को नई दिशा दी जा सकती है। इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस नीदरलेण्ड के जज और सम्मेलन के मुख्य अतिथि दलवीर सिंह भंडारी ने कहा कि अध्यात्म और विज्ञान के मेल से हम दुनिया को ऐसी दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं, जहाँ हिंसा का नामोनिशान नहीं होगा। प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार ने कहा कि यह सम्मेलन एक अद्वितीय पहल है। समारोह में संस्थान के कुलाधिपति बसंतराज भंडारी, कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, आई.सी.एस. जे.पी. के अध्यक्ष डॉ. के.पी. मिश्रा, आई.आई.टी. मुंबई के प्रो. डी पार्थपारथी, पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के डॉ जेफ्री डी लॉग, क्योटो परफेक्चुअल विश्वविद्यालय (जापान) के प्रो. काजुयुकी आकासाका, फाउण्डेशन फॉर युनिवर्सल रिस्पॉन्सिबिलिटी ऑफ हिज हॉलीनेस दलाई लामा, नई दिल्ली के राजीव मल्होत्रा और बी.एम.आई.आर.सी. की कार्यकारी निदेशक डॉ. समणी चैतन्य प्रज्ञा सहित बड़ी संख्या में विद्वान और वैज्ञानिक मौजूद थे।

सम्मेलन में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश आदर्श गोयल, राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जसराज चौपड़ा, बिजनेस वर्ल्ड पत्रिका ग्रुप के चेयरमेन अनुराग बन्ना, एनम सिक्युरिटीज के चेयरमेन वल्लभ भंसाली सहित देश के 25 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति व निदेशक उपस्थित थे। सम्मेलन में सौ से अधिक विद्वानों ने पत्र वाचन किया। सम्मेलन में देश-विदेश के 650 संभागियों का पंजीयन कराया गया।

सौ प्रभावशाली कुलपतियों में प्रो. बी.आर. दूगड़

जैन विश्व भारती संस्थान के कुलपति प्रो. बी.आर. दूगड़ सौ प्रभावशाली कुलपतियों में शामिल किए गए हैं। वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस द्वारा मुंबई के ताज लैण्ड्स एण्ड में आयोजित समारोह में प्रो. बी.आर. दूगड़ को यह अवार्ड प्रदान किया गया। ज्ञातव्य हो कि वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस द्वारा विश्व के शिक्षाविदों के शोध, शिक्षा, साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर सौ लोगों का चयन किया गया है जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. दूगड़ भी शामिल हैं।

पूर्व छात्र सम्मेलन

संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन 16 जनवरी, 2016 को समारोह पूर्वक किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में सीखी गई शिक्षा एवं जीवन-निर्माण का पाठ सदैव जीवन को प्रेरणा देते रहते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एकट बोध ग्राम जयपुर के निदेशक प्रो. सत्येन चतुर्वेदी ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों को भी समर्पित है। यही कारण है कि यहां का विद्यार्थी एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है।

कुलसचिव व सम्मेलन के समन्वयक प्रो. अनिल धर ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की वर्तमान गतिविधियों से अवगत कराया। पूर्व छात्र सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ बी. प्रधान ने सम्मेलन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। पूर्व छात्र डॉ. आलम अली सिसोदिया ने छात्र जीवन के अनुभव सुनाए। कार्यक्रम का संयोजन लक्ष्मी सिंघी एवं आभार ज्ञापन डॉ अदिति गौतम ने किया।

इस अवसर पर पूर्व छात्र सम्मेलन के चुनाव भी सम्पन्न हुए। दिल्ली के डॉ. आलम अली सिसोदिया को अध्यक्ष एवं डॉ पुष्पा मिश्रा को सचिव एवं लक्ष्मी सिंघी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मनोकायिक रोगों के प्रबन्धन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का विशिष्ट योगदान - प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा

संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में एवं भारत सरकार के आयुष विभाग के सौजन्य से 20 से 22 फरवरी, 2016 तक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधी नगर, गुजरात के 'स्कूल ऑफ लाईफ साईन्स' के डीन प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने कहा कि मनोकायिक रोगों के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का विशिष्ट महत्व है। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा के साथ जीवन में भाव शुद्धि को भी मनोकायिक रोगों का उपचार बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान बटालियन एन.सी.सी. के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल कुलसिंह शेखावत ने कहा कि योग के द्वारा जीवन में रूपान्तरण किया जा सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दादू पंथ सम्प्रदाय के महामण्डलेश्वर स्वामी अर्जुनदास महाराज ने भीतर की ऊर्जा को समझने का महत्व बताते हुए प्रकृति प्रदत्त जीवन को प्रकृति के साथ जीने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जैन विश्व भारती के न्यासी रमेशचन्द्र बोहरा भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि अहंकार मनोकायिक रोगों का जनक है। सेमीनार के निदेशक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने स्वागत भाषण करते हुए अतिथियों का परिचय दिया। अतिथियों का स्वागत प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, डॉ. योगेश जैन, डॉ. जसवीर सिंह आदि ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम का संयोजन डॉ. युवराज सिंह खंगारोत एवं आभार ज्ञापन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया।

इस त्रिदिवसीय सेमीनार में देशभर से आए विद्वानों ने सम्बन्धित विषयों पर पत्र वाचन किए। सेमीनार में प्रो. साधना दोनेरिया ने योगा व मनोकायिक रोग, अजयसिंह शेखावत ने इफेक्ट ऑफ प्रेक्षा मेडिटेशन, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने मनोकायिक रोगों का दार्शनिक निदान, डॉ. कुणाल मेहता ने क्लासिकल एप्लीकेशन ऑफ नेचुरोपैथी ऑन स्ट्रेस लेबल, पूर्णिमा गुप्ता ने विपश्यना

ध्यान, मोनिका सेठिया ने कायोत्सर्ग और तनाव, डॉ. सुनिता इन्दौरिया ने जैन दर्शन में आहार- विवेक- स्वास्थ्य के संदर्भ में, डॉ. जसबीर सिंह ने डिजाइन एण्ड डवलपमेन्ट ऑफ डिजीटल लाईब्रेरी एण्ड योगा साइन्स, डॉ. युवराज सिंह ने प्रेक्षा मेडिटेशन आदि विषयों पर अपने-अपने पत्रों का वाचन किया। सेमीनार में प्रगति भूतोड़िया, पारुल दाधीच, उत्तम निकिता, खुशबू जैन, श्वेता शर्मा, प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा, प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. अशोक भास्कर, विनय जैन, डॉ. लक्ष्मण माली, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ वीरेन्द्र भाटी, डॉ. रवीन्द्र सिंह, डॉ. विकास शर्मा आदि ने भी अपने पत्र प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों द्वारा योग का समूहिक प्रदर्शन भी किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

जैन विश्व भारती संस्थान मूल्यों की शिक्षा देने वाला पहला विश्वविद्यालय- प्रो. शास्त्री

22 फरवरी को समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जगत्गुरू सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. विनोद शास्त्री ने कहा कि योग एवं प्रकृति से दूर होने से ही विकृति आती है। प्रो. शास्त्री ने कहा कि दुनियां का पहला संस्थान जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय है जो मूल्यों की शिक्षा दे रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने की। सेमीनार के निदेशक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने त्रिदिवसीय सेमिनार का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने किया। संचालन डॉ. विवेक माहेश्वरी एवं आभार ज्ञापन डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने किया।

शोध परियोजना

अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी प्रोजेक्ट स्वीकृत

भारत सरकार के इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशियल साइंस संस्थान, नई दिल्ली द्वारा जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर को वरिष्ठ राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति हेतु अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी विषय पर प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। इस प्रकार के प्रोजेक्ट स्वीकृत होने से विद्वानों व शोधार्थियों को अनेकान्त व वेस्टर्न फिलॉसाफी पर अधिक से अधिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्वावधान में पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान का आयोजन 1 फरवरी, 2016 को किया गया। 'पर्यावरण बचाओ-पॉलिथिन हटाओ' अभियान के अन्तर्गत समाज कार्य के विद्यार्थियों ने लाडनूं क्षेत्र के विविध स्थलों पर जाकर पॉलिथिन के दुष्परिणामों की जानकारी दी। इस अवसर पर पॉलिथिन प्रतिबन्ध पोस्टर का भी वितरण किया गया।

युवा दिवस का आयोजन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय व एन.एस.एस. इकाई के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द का जन्म दिन युवा दिवस के रूप में 13 जनवरी को मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति को विश्व समाज के सामने पहुंचाने का विशिष्ट कार्य किया है। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद डॉक्युमेन्ट्री का प्रदर्शन भी किया गया। अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। संयोजन दिव्या जांगीड़ ने किया।

इसी प्रकार योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में युवा दिवस को 'कॅरियर डे' के रूप में मनाया गया। डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. जीतेन्द्र वर्मा, डॉ. लक्ष्मण माली, इन्दाराम पूनिया ने स्वामी विवेकानन्द के प्रसंगों के माध्यम से अपनी बात कही। कार्यक्रम का संयोजन पूनम सैनी ने किया।

संस्थान के शिक्षा विभाग में भी युवा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ बी. प्रधान, सुमन चौधरी, सीता मेहरा, खुशबू योगी, सुमन स्वामी, सुमन महला, मंजू आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अमिता जैन ने किया।

गणतंत्र दिवस मनाया

26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने प्रात:काल झण्डा रोहण किया।

इस अवसर पर उपस्थित संस्थान सदस्य को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि लोकतंत्र की रखा करना हम प्रत्येक नागरिकों का कर्त्तव्य है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि भारत दुनियां का एक बहुत बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमें लोकतंत्र की के दायितव के निर्वहन के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया।

एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं एन.एस.एस. की इकाई के तत्वावधान में सामाजिक चेतना जागरण पर एक शिविर का आयोजन 15 जनवरी को किया गया। इकाई की स्वयंसेविकाओं ने सब्जी मण्डी, राहू गेट एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। द्वितीय चरण में स्वंय सेविकाओं द्वारा पतंग पर सामाजिक चेतना के स्लोगन लिखकर पतंगें भी उड़ाई गईं।

योग एवं नेचुरोपैथी का प्रोजेक्ट स्वीकृत

राजस्थान सरकार के राजस्थान कौशल विकास एवं आजीविका विकास निगम जयपुर द्वारा हेल्थ केयर के लिए जैन विश्व भारती संस्थान की एक वृहद परियोजना तीन से पांच वर्षों तक के लिए स्वीकृत की गई है। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लाडनूं एवं जयपुर के युवाओं के कौशल विकास के अन्तर्गत योग एवं नैचुरोपैथी का नि:शुल्क आवासीय एवं डे स्कॉलर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इस प्रोजेक्ट को निगम के अधिकारी विश्वास पारीक एवं संस्थान के कुलसचिव ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर कर स्वीकृत किया। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत युवाओं को तीन माह का नि:शुल्क आवासीय व गैर आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अहिंसा एवं शांति विभाग

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में 9 फरवरी, 2016 को एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्थान के सेमीनार हॉल में किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में स्थानीय लाड मनोहर उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रो. बी.आर. दूगड़ ने 'अहिंसा प्रशिक्षण क्यों जरुरी' विषय पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण से ही मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा संभव है। उन्होंने कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण से ही व्यक्ति जीवन में समुचित विकास कर सकता है। शिविरार्थियों को विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने प्रशिक्षण शिविर की महत्ता बताते हुए शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। योग विभाग के आलोक पाण्डेय ने यौगिक क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया। शिविरार्थियों को पर्यावरण जागरूकता के लिए फीचर फिल्म भी दिखायी गयी। लक्ष्मी सिंघी ने शिविरार्थियों के साथ चर्चा-परिचर्चा की। आभार ज्ञापन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में 3 मार्च, 2016 को सेमीनार हॉल में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मौलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर में प्रो. अनिल धर ने अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर संभागी विद्यार्थियों को जल प्रबन्धन विषय पर लघु फिल्म भी दिखाई गयी। शिविर में शिविरार्थियों को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिए गए। संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

16 मार्च को संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए प्रो. बी.आर. दूगड ने कहा कि अहिंसा का प्रशिक्षण जीवन में बहुत जरूरी है। अहिंसा के प्रशिक्षण से ही हिंसा पर अंकुश किया जा सकता है। प्रो. अनिल धर ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। आभार ज्ञापन डॉ रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। शिविर में आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर में प्रायोगिक प्रशिक्षण डॉ. अशोक भास्कर एवं लक्ष्मी सिंघी आदि ने दिया।

पुस्तक का विमोचन

संस्थान के सहायक आचार्य डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ की पुस्तक ''साम्प्रदायिक व जातीय तनाव'' का विमोचन भैया बगीची में आयोजित एक समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागौर सांसद सी.आर. चौधरी ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष लाडनूं विधायक ठाकुर मनोहर सिंह, संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने लेखक को शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए पुस्तक को उपयोगी बताया। ज्ञात हो कि डॉ. राठौड़ ने अपनी यह पुस्तक प्रो. बच्छराज दूगड़ के निर्देशन में तैयार की है।

26वाँ स्थापना दिवस

रजत जयंती समापन समारोह

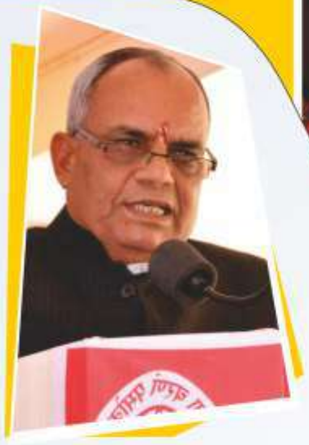

हिंसा एवं अमानवीयता के दौर में मूल्यपरक शिक्षा की जरूरत- आशुतोष शर्मा

जैन विश्वभारती संस्थान का 26 वां स्थापना दिवस एवं रजत जयंती वर्ष समापन समारोह सुधर्मा सभा में 20 मार्च, 2016 को मुनिश्री विमलकुमार, जगद्गुरू डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज व ख्वाजा दरगाह कमेटी के अध्यक्ष असरार अहमद खान के सान्निध्य में समारोह पूर्वक मनाया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सूचना आयुक्त आशुतोष शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में हिंसा एवं अमानवीयता बढी है। ऐसे में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली मूल्यपरक शिक्षा देश व समाज को सच्ची राह बताने में सक्षम है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मानवाधिकार आयोग राजस्थान सरकार के पूर्व अध्यक्ष एच. आर. कुड़ी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय अपनी शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखता है। उन्होंने संस्थान द्वारा दी जा रही शिक्षा को यूनिक बताते हुए आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण की शिक्षा को वर्तमान युग की आवश्यकता बताया।

जगद्गुरू डॉ. स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कहा कि नव निर्माण के चिंतन में रचनात्मकता और कल्पना का होना बेहद जरूरी है। उन्होनें जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय में संस्कारों के साथ शिक्षा के प्रति किये जा रहे कार्यों को अनूठा एवं अनुकरणीय बताया। ख्वाजा दरगाह कमेटी के अध्यक्ष असरार अहमद खान ने कहा कि जैन विश्व भारती सौहार्द की शिक्षा के लिए देश के समर्पित नागरिक तैयार कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि रजत जयंती वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा देश एवं विदेशों में विशिष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य किए गए।

कुलसचिव प्रो अनिलधर ने विश्वविद्यालय के प्रगति विवरण को प्रस्तुत करते हुए गतिविधियों पर प्रकाश डाला। स्वागत वक्तव्य प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने दिया। डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ विवेक माहेश्वरी एवं आभार प्रो. बी.एल. जैन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग में स्थापित राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

आचार्यश्री महाश्रमण के संदेश का प्रसारण

स्थापना दिवस एवं रजत जयंती समापन समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण का वीडियो संदेश का प्रसारण किया गया।

सम्मान पुरस्कार

समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा वरिष्ठ विद्या निधि सम्मान से प्रो आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, कनिष्ठ विद्या निधि सम्मान से डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत व डॉ पूजा जैन का सम्मान किया गया। आदर्श कर्मचारी के रूप में मोहन सियोल, पवन सैन, संदीप शर्मा, रमेश दान चारण, हिंमाशु खिड़िया, हनुमान चौधरी, तीर्था घाले, हीरालाल देवासी, बाबूलाल, बहादुर सिंह, श्रवण कुमार, बजरंगलाल को सम्मानित किया गया। आदर्श विद्यार्थी के रूप में दिनेश कुमार, सुनिता कुमारी, खुशबू योगी व अदिति कंवर का सम्मान किया गया साथ ही अनेक विद्यार्थियों को विविध गतिविधियों के लिए भी अतिथियों द्वारा सम्मान्नित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने किया।

रैली का हुआ भव्य आयोजन

स्थानीय सुख आश्रम से सुबह विशाल रैली का आयोजन किया गया। रैली को कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा व कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ धर्मचन्द लूंकड की उपस्थिति में नगरपालिकाध्यक्ष संगीता पारीक, सीआई नागरमल कुमावत ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली का आंखो देखा हाल एवं संयोजन डॉ वीरेन्द्र भाटी ने किया। रैली में लाडनूं नगर के विभिन्न विद्यालयों के एक हजार से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रमुख लोगों ने भाग लिया। रैली में नशामुक्ति, सदभाव, पॉलिथिन हटाओ, जन स्वावलम्बन सहित अनेक जन-जागरण के नारों से आसमान गुंजायमान हो गया।

भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

जैन विश्व भारती संस्थान के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर सायंकाल भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम सुधर्मा सभा में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना, नाटक, सामूहिक गीत, माईम, कविता, नृत्य, फैशन-शो आदि अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी। संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा योग का सराहनीय प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर रजत जयंती समारोह के संयोजक धर्मचन्द लूंकड़ एवं उनकी टीम का अभिनन्दन संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. अमिता जैन ने किया।

उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : भव्य कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम जैन विश्वभारती के सुधर्मा सभा में उपखण्ड प्रशासन, जैन विश्वभारती एवं जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के तत्वावधान में लाडनूं नगर की विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से 21 जून, 2016 को समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। समारोह में मुनि विमलकुमार ने योग की मीमांसा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति रही है। स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग बहुत जरूरी है। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बच्छराज दूगड ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने से विश्वस्तर पर योग की महत्ता उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि योग से जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है। जैन विश्वभारती के न्यासी रमेशचन्द बोहरा ने कहा कि योग से ही जीवन में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि योग से जीवन शैली में बदलाव होने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास में भी वृद्वि की जा सकती है।

समारोह में उपस्थित नगरपालिकाध्यक्ष संगीता पारीक व मुनि जम्बुकुमार ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सामूहिक योग प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत 45 मिनट का रखा गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रभारी डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पारूल दाधीच, निकिता उत्तम, सुनिता, मंजू, पूजा सैनी आदि ने योग क्रियाओं का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाडनूं नगर की अनेक संस्थाओं के सह आयोजन में सामूहिक योग प्रदर्शन में सैकडों लोगों एवं स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। सह-आयोजक संस्थाओं पंतजलि योग समिति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भारत विकास परिषद, आर्ट ऑफ लिविंग, राजस्थान ब्राह्मण महासभा, विश्व हिन्दू परिषद, सेवा भारती, विद्या भारती, आदर्श विद्या मन्दिर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल, दशहरा मेला समिति, दुर्गादल, ओसवाल सभा, गौपुत्र सेना, लाडनूं चेम्बर ऑफ कॉमर्स, दरगाह उमराव शहीद गाजी कमेटी, अंजुमन फैज ए आम, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ कन्या मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायन शाला, नेशनल कैडेट कोर एवं सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आदि का सराहनीय सहयोग रहा। संयोजन डा विवेक माहेश्वरी ने किया। आभार ज्ञापन जैन विश्वभारती के निदेशक राजेन्द्र खटेड़ ने किया।

आचार्य महाप्रज्ञ महाप्रयाण दिवस

प्रयोगधर्मी आचार्य थे आचार्य महाप्रज्ञ– प्रो. दूगड़

संस्थान के सेमीनार हॉल में मंगलवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ का सातवाँ महाप्रयाण दिवस समारोह 3 मई, 2016 को समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बच्छराज दूगड ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण के लिए अनेक प्रयोग किये। प्रयोगधर्मी आचार्य के रूप में महाप्रज्ञ के मानवता को दिये अवदान सदैव याद किये जाएंगे। इस अवसर पर प्रो. दामोदर शास्त्री ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ का साहित्य सदैव मानवता का भला करने में सक्षम है। प्रो रेखा तिवारी ने महाप्रज्ञ को महान आध्यात्मिक शक्ति बताया। डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा ने महाप्रज्ञ को मूल्यों का संवाहक बताते हुए उनके कार्यों को मानव के लिए अवदान बताया। पारमार्थिक शिक्षण संस्था के संयोजक बजरंग जैन ने आचार्य महाप्रज्ञ को शताब्दि का युगपुरुष बताया। इस अवसर पर सहायक आचार्य डॉ समणी रोहिणी प्रज्ञा, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. योगेश कुमार जैन, डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, जे.पी. सिंह, डॉ. बी. प्रधान, विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थी गजेन्द्र बागड़ी ने आचार्य महाप्रज्ञ पर एक कविता प्रस्तुत की। संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया।

व्याख्यान माला आयोजन

अपराध के कारणों को समझकर ही बदलाव संभव है– कुलपति प्रो. कुमावत

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के द्वारा स्व. पूनमचन्द भूतोड़िया की स्मृति में अपराध एवं दण्ड मानवीय आधार दृष्टिकोण विषयक व्याख्यान माला का आयोजन 11 मार्च 2016 को संस्थान के सेमीनार हॉल में हुआ। व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा व सामाजिक न्याय विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. एम. एल. कुमावत ने कहा कि आज समाज में विविध अपराधों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है जो चिन्तनीय पहलू है। अपराध के कारणों का विश्लेषण करते हुए कुमावत ने कहा कि अपराधों पर अंकुश के लिए बुराईयों के नियमन के चिन्तन के साथ अपराध के कारणों को भी समझना पड़ेगा तभी बदलाव की प्रक्रिया संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की। शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनिल धर ने प्रो. कुमावत का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सत्यनारायण भारद्वाज ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

जैन विद्या का उत्कृष्ट संस्थान है जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय– मुनि प्रमाण सागर

दिगम्बर जैन आचार्य विद्या सागर के शिष्य मुनि प्रमाण सागर एवं मुनि विराट सागर ने 6 मई 2016 को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय सदस्यों को संबोधित करते हुए मुनि प्रमाण सागर ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में जैन विद्या एवं प्राच्य विद्या का उत्कृष्ट कार्य हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय को एक विशिष्ट संस्थान बताते हुए इसके और अधिक विकास की कामना की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के आध्यात्मिक नेतृत्व में संचालित इस विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संबंधी विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी एवं संस्थान द्वारा प्रकाशित साहित्य भेंट किया। मुनिद्वय ने संस्थान के विभिन्न विभागों, कुलपति कार्यालय, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवनों, पुस्तकालय आदि स्थानों का अवलोकन कर सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर जैन विश्व भारती के ट्रस्टी भागचन्द बरड़िया ने मुनिश्री का स्वागत किया एवं मातृ संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। मुनिद्वय ने आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण द्वारा रचित साहित्य का भी अवलोकन किया। मुनिद्वय ने भिक्षु विहार में विराजित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि विमलकुमार एवं अन्य संतों से भी भेंट वार्ता की।

आचार्य महाश्रमण का जन्म दिवस

संस्थान के कॉन्फ्रेन्स हॉल में संस्थान के अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण का 55वाँ जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि आचार्य महाश्रमण मूल्यों के विकास के प्रति समर्पित आचार्य हैं। यह विश्वविद्यालय आचार्यश्री महाश्रमण के आध्यात्मिक नेतृत्व में मूल्यों से प्रेरित शिक्षा प्रदान करने का विशिष्ट कार्य कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने आचार्य महाश्रमण के बचपन से लेकर अब तक की आध्यात्मिक यात्रा को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, वित्ताधिकारी राकेश जैन, सहायक आचार्य विकास शर्मा, दीपक माथुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में संस्थान के समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया।

ग्रीष्मकालीन कक्षाएं

संस्थान के कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत मई एवं जून 2016 माह में ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया गया। इन कक्षाओं में हेयर एण्ड स्किन केयर, नृत्य, कुकिंग, योगा, स्पोर्ट्स, अंग्रेजी संभाषण, बेसिक कम्प्यूटर आदि विभिन्न प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया गया। इन कक्षाओं में लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षक के रूप में कमलेश जगवानी, अबरार अहमद, माइकल जूनियर, अशोक भास्कर, पारुल दाधीच, भूपेन्द्र सिंह, दीपक माथुर ने अपनी सेवाएं दी। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस अधिकारी नागरमल कुमावत ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य के साथ कॅरियर निर्माण करना जरूरी है। उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित विविध पाठ्यक्रमों को कॅरियर निर्माण के लिए उपयोगी बताते हुए जीवन निर्माण का माध्यम बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि दक्षता के साथ व्यक्ति में करूणा एवं दया का विकास भी जरूरी है। शिक्षा के साथ दक्षता का विकास जीवन को बहुपयोगी बनाता है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने ग्रीष्मकालीन कक्षाओं को व्यक्तित्व विकास का माध्यम बताया। कार्यक्रम में सरोज कंवर राठौड़, शनि कुमार, विनिता, जूही राजपुरोहित, दिव्यता कोठारी, साक्षी कोचर, ऋतु कोचर, शैलजा दाधीच, तृप्ति दायमा, फिरोज खां, नवीन अडवाणी, राहत अली, संजय मिश्रा, भावना जांगिड़, रेखा, संजय मिश्रा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी एवं आभार ज्ञापन कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

शैक्षणिक भ्रमण

5 जनवरी से 12 जनवरी, 2016 तक आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की 35 छात्राओं का एक दल डॉ. जुगलकिशोर दाधीच, कमल मोदी, पूजा जैन एवं नरेन्द्र सैनी के निर्देशन में मुंबई गया। वहां छात्राओं ने एलिफेन्टा द्वीप पर स्थित गुफाओं, गेटवे ऑफ इण्डिया, ताज होटल, सांइस पार्क, हैंगिंग गार्डन, मरीन ड्राइव, नरीमन पांइट, जुहू चौपाटी, एक्सल वर्ल्ड आदि स्थानों का भ्रमण कर ज्ञानवर्द्धन किया। इस दौरान 8 जनवरी को छात्राओं ने आईटीआई बॉम्बे में संस्थान द्वारा ''जैन धर्म एवं विज्ञान' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार के उद्घाटन सत्र में भी भाग लिया।

विदाई समारोह आयोजित

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई का आयोजन एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में 2 अप्रेल, 2016 को समारोह पूर्वक किया गया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विदाई समारोह अतीत का अवलोकन व भविष्य का चिंतन करना है। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों तक यहां से जो कुछ सीखा है उसे अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने महाविद्यालय की विविध गतिविधियों को रेखांकित करते हुए जीवन में सदाचार व मूल्यों को धारण करने का आह्वान किया।

समारोह में उपस्थित समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि जीवन में सुख-दुख, मिलना-बिछुड़ना लगा रहता है, हमेशा सम व प्रसन्न रहना ही साधना है। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। संचालन हिमानी कंवर व ज्योति राजपुरोहित ने किया।

अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय द्वारा 19 जनवरी, 2016 को अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कनक नाहटा की स्मृति में आयोजित हुए इस प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने विचार रखे। 'लोकतंत्र की सुरक्षा में सहायक कौन : युवा शक्ति अथवा मीडिया' विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में दौसा के लोकेन्द्र सिंह राजपूत प्रथम रहे। द्वितीय स्थान पर रतनगढ़ के जितेन्द्र राजपुरोहित एवं तृतीय स्थान पर डीडवाना की सरिता रहीं। सांत्वना पुरस्कार शिवानी गहलोत, मुमुक्षु आरती व गार्गी सारस्वत ने प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में संस्थान के विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, सहायक आचार्य डॉ विवेक माहेश्वरी एवं डॉ. गिरिराज भोजक ने अपना दायित्व निभाया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में तीन हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार दो हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार एक हजार एक सौ रुपये प्रदान किए गए।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या का मंगलभावना समारोह

संस्थान में संचालित आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. समणी मल्लीप्रज्ञा का मंगलभावना समारोह का आयोजन 26 अप्रैल को महाविद्यालय के हॉल में रखा गया। प्रो. समणी मल्लीप्रज्ञा विगत पांच वर्षों से महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में सेवाएं दी है। समारोह को संबोधित करते हुए प्रो समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि पांच वर्षों के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं एवं अभिभावकों के साथ रहकर काम करके बहुत अच्छा लगा। उन्होनें कहा कि महाविद्यालय की छात्रायें प्रतिभावान है। इस अवसर पर छात्रा करूणा शर्मा ने कहा कि प्राचार्य का व्यक्तिगत लगाव ही छात्राओं के व्यक्तित्व विकास का सेतु बना। छात्रा धन्नी चोयल ने कहा कि प्राचार्य ने सदैव मां जैसा व्यवहार कर प्रत्येक मोड़ पर मार्गदर्शन किया। मुमुक्षु बहनों ने गीत के माध्यम से मंगल भाव व्यक्त किया। हिमांशु खिडिया ने कविता के माध्यम से भाव व्यक्त किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक कमलकुमार, मधुकर दाधीच, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार सैनी, जुगल किशोर दाधीच, प्रगति भटनागर, निर्मला भास्कर, सावित्रि चौधरी, दिव्या दाधीच, अंकिता, तृप्ति जैन आदि ने अपने विचार रखे।

'शोध प्रारूप – गुणात्मक एवं मात्रात्मक' पर राष्ट्रीय परिसंवाद

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 1 व 2 अप्रैल, 2016 को 'शोध प्रारूप – गुणात्मक एवं मात्रात्मक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रो. मथुरेश्वर पारीक ने कहा कि शोध के माध्यम से वर्तमान में निहित विविध समस्याओं का समाधान हो सके, ऐसे शोध की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शोध के लिए गहन अध्ययन बहुत जरूरी है। शोध से सम्बन्धित मूल ग्रन्थों के अध्ययन की जरूरत है। मुख्य वक्ता जगद्गुरू रामानन्द विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. गोपीनाथ शर्मा ने शोध के विविध रूपों को व्याख्यान्वित किया। विशिष्ट अतिथि महाराज गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रो. सुरेन्द्र सहारण ने अपने उद्बोधन में कहा कि शोध-समाज की समस्याओं का निराकरण करने वाला होना चाहिए। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि शोध में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉ. अमिता जैन ने शोध के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने भी अपने विचार रखे।

2 अप्रैल को समापन समारोह में मुख्य अतिथि इन्दिरा गांधी ओपन युनिवर्सिटी के निदेशक प्रो. एम.सी. शर्मा ने प्रयोगात्मक शोध के विविध तथ्यों पर चर्चा करते हुए इसके विकास एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने की।

विशिष्ट अतिथि प्रो. शिरीष बालिया ने वर्तमान समय में मात्रात्मक शोध के स्थान पर गुणात्मक शोध करने पर बल दिया। डॉ. विष्णु कुमार ने दो दिवसीय परिसंवाद की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रमों का संचालन छात्राध्यापिका पिंकी, प्रवीण कंवर ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. अमिता जैन ने किया।

शिक्षा एवं संस्कार विषयक प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शिक्षा और संस्कार विषयक प्रसार भाषण माला का आयोजन 25 जनवरी, 2016 को किया गया। मुख्य वक्ता मुनिश्री सुखलाल ने कहा कि आज विद्यार्थी में बुद्धि का विकास तो हो रहा है लेकिन संस्कारों से पिछड़ता जा रहा है। संस्कारों का विकास मूल्यों की शिक्षा के द्वारा संभव है। कार्यक्रम में मुनि मोहजीत कुमार ने भी विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रो. बी.एल. जैन एवं प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्राध्यापिकाओं, संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल ने किया।

अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा अभिभावक शिक्षक सम्मेलन का आयोयजन 9 फरवरी, 2016 को किया गया। प्रारंभ में प्रो. बी.एल. जैन ने विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में अभिभावक राजकुमार सैनी, गिरधारीसिंह, ओमप्रकाश प्रजापत आदि ने अपने-अपने विचार रखते हुए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों एवं व्यवस्थाओं को सराहनीय बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गिरिराज भोजक ने किया।

ई-लर्निंग कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग में 11 फरवरी, 2016 को एक दिवसीय ई-लर्निंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीन तकनीक से अवगत कराना है। कार्यशाला में संभागी विद्यार्थियों को डॉ सरोज रॉय, डॉ अदिति गौतम, डॉ. गिरधारी सिंह, सुश्री पूजा जैन सहित अनेक विद्वानों ने मोबाईल लर्निंग, ट्रांसपरेन्सी बनाना, पीपीटी तैयार करना, इन्टरनेट यूजेज आदि की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी। कार्यशाला में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं के साथ ही शिक्षकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ गिरधारीलाल शर्मा ने किया।

प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 28 अप्रैल, 2016 को प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत जयपुर के प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय का व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. पाण्डेय ने प्रसार-भाषण माला के अन्तर्गत व्याख्यान देते हुए शिक्षा व शिक्षक विषय को रेखांकित किया।

सृजन

24 फरवरी को संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सामयिक समरसता विषय पर ''सृजन'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने छात्राध्यापिकाओं को धर्म, सम्प्रदाय व वर्गभेद से ऊपर उठकर सौहार्द, समन्वय के साथ विकास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। छात्राध्यापिकाओं को विविध समूहों में गायन, वादन, नृत्य, पेन्टिंग, लेखन, भाषण आदि विद्याओं का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन बिमला एवं सुमन महला ने किया।

जैन विश्व भारती संस्थान को मिली चार वर्षीय बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी.-बी.एड. की मान्यता

भारत सरकार के राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा जैन विश्व भारती संस्थान को चार वर्षीय बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी-बी.एड की मान्यता मिली है। संस्थान को इस चार वर्षीय विशेष कोर्स हेतु कुल 100 सीटों के लिए स्वीकृति मिली है। अब विद्यार्थी चार वर्षीय इस कोर्स में प्रवेश लेकर बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी-बी.एड कर एक साल की बचत कर सकते हैं। ज्ञात रहे कि जैन विश्व भारती संस्थान में पहले से ही बी.एड. एवं एम.एड. कोर्स संचालित हैं।

आचार्य महाप्रज्ञ अध्यात्म व विज्ञान व्याख्यान माला

29 फरवरी, 2016 को जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग के अन्तर्गत भगवान महावीर इण्टरनेशनल रिसर्च सेन्टर के तत्वावधान में साइन्स एण्ड स्प्रिच्युलिटी विषय पर व्याख्यान एवं प्रस्पेक्टीव ऑन इन्टेग्रेटिंग ऑफ साइन्स एण्ड स्प्रिच्युलिटी इन द कॉन्सेप्ट ऑफ जैन फिलॉसोफी विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया। व्याख्यान देते हुए नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के पूर्व कुलपति वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. के. पी. मिश्रा ने कहा कि अध्यात्म के साथ विज्ञान और शिक्षा के साथ अध्यात्म ही व्यक्ति के मानस को स्वस्थ बना सकता है। उन्होंने शिक्षा को अध्यात्म के मूल्यों के साथ समन्वय करने की बात करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारपरक एवं चरित्र निर्माण की शिक्षा का होना जरूरी है। अनेकान्त दर्शन पर चर्चा करते हुए उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ को अध्यात्म का शिखर पुरुष बताया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आचार्य तुलसी व आचार्य महाप्रज्ञ ने वैज्ञानिक चिन्तन के साथ अध्यात्म का प्रसार किया। भगवान महावीर इन्टरनेशनल रिसर्च सेन्टर की निदेशक प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए रिसर्च सेन्टर की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। संयोजन डॉ. समणी आगमप्रज्ञा एवं आभार डॉ जसबीर सिंह ने व्यक्त किया।

भगवती सूत्र के संदर्भ में

जैन दर्शन एवं विज्ञान पर राष्ट्रीय अधिवेशन

जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग के अन्तर्गत भगवान महावीर इंटरनेशनल रिसर्च सेन्टर, होलिस्टिक हेल्थ ऑन लाइन थेरेपी कैंपस मुम्बई, तुलसी महाप्रज्ञ प्रभा भारती ट्रस्ट एवं भारत जैन महामंडल, मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान में मुम्बई में 8 मई 2016 को भगवती सूत्र के संदर्भ में जैन दर्शन एवं विज्ञान विषय पर राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल सी विद्यासागर राव ने अध्यात्म और विज्ञान के समन्वय की बात कही। समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुम्बई हाइकोर्ट के न्यायाधीश के.के. तातेड़ ने कहा कि जैन दर्शन मानवता को जीने का संदेश देता है। संस्थान के प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार ने कहा कि भगवान महावीर का दर्शन आज विज्ञान से भी आगे है। हमारे जो तत्व ज्ञान हैं, वह बेजोड़ हैं, जिसका मुकाबला दुनियां का कोई भी देश नहीं कर सकता। हमें इसका सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए अध्यात्म और विज्ञान के बीच सहयोग बढ़ाना चाहिए। डॉ. प्रताप संचेती ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में भी साबित हो गया है कि उपवास से शरीर को लाभ मिलता है। उपवास के द्वारा न सिर्फ रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है बल्कि कई बीमारियों से भी बचा जा सकता है। प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक अरूण भाई झवेरी ने कहा कि हम अपनी शक्ति का सही दिशा में किस तरह उपयोग करें इसकी राह भगवान महावीर ने दिखाई है। वैज्ञानिक संत आचार्य विजयानन्दीघोषसूरि ने फिजिक्स के क्वान्टम सिद्धान्त और जैन अध्यात्म के बीच सम्बंधों पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ. नरेन्द्र भंडारी ने कहा कि जैन धर्म सही अर्थों में एक वैज्ञानिक धर्म है। भगवती सूत्र की चर्चा करते हुए डॉ सुधीर जैन ने कहा कि इस ग्रंथ से विज्ञान लाभ उठा सकता है। कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय ने प्रो. मुनि महेन्द्र कुमार द्वारा संपादित ''भगवती सूत्र'' के पांचवें खण्ड का विमोचन किया। कार्यक्रम में कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा एवं पूर्व कुलपति प्रो. एम. आर. गेलड़ा, बी.एम.आई.आर.सी. की निदेशक प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा उपस्थित थे।

फार्म ४
(नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
2.	प्रकाशन अवधि	:	अर्द्धवार्षिक
3.	मुद्रक का नाम	:	प्रो. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है ?	:	हाँ
	पता	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
4.	प्रकाशक का नाम	:	प्रो. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
5.	सम्पादक का नाम	:	श्री नेपाल चन्द गंग
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
6.	उन व्यक्तियों के नाम पते जो पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान

मैं प्रो. अनिल धर एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

प्रो. अनिल धर
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

जैन विश्व भारती संस्थान के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक	मूल्य
1.	आचार्य महाप्रज्ञ का संस्कृत साहित्य	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय	550
2.	युग को आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय/डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा	100
3.	श्रमण सूक्त	श्री श्रीचंद रामपुरिया	150
4.	आवश्यक निर्युक्तिखण्ड-1	डॉ. समणी कुसुम प्रज्ञा	400
5.	आचारांग और महावीर	साध्वी शुभ्रयशा	150
6.	Anekant : Reflection & Clarification	Acharya Mahaprajna	30
7.	Anekant : Views & Issues	Acharya Mahaprajna	30
8.	Lord Mahavir (Vol. 1, 2, 3)	Shri S.C. Rampuria	1000
9.	Shraman Bhagwan Mahavir : Life & Doctrine	Shri S.C. Rampuria	300
10.	Anekanta : The Third Eye	Acharya Mahaprajna (tr. by Sudhamahi Raghunathan)	195
11.	Science in Jainism	Prof. M.R. Gelra	200
12.	The Quest for Truth	Acharya Mahaprajna (tr. by Sudhamahi Raghunathan)	195
13.	जैन विद्या और विज्ञान	प्रो. महावीरराज गेलड़ा	300
14.	Sound of Silence	Acharya Mahaprajna	140
15.	Journey into Jainism	Sadhvi Vishrut Vibha	39
16.	भिक्षु न्यायकर्णिका	पं. विश्वनाथ मिश्र	120
17.	जैन इतिहास एवं संस्कृति	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा	120
18.	Jain Studies & Science	Prof. M.R. Gelra	400
19.	जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा, डॉ. समणी श्रेयस प्रज्ञा	120
20.	योग वैशिष्ट्य	डॉ. जे.पी.एन. मिश्रा	400
21.	जैन तत्त्व मीमांसा और आचार मीमांसा	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा	120
22.	अर्द्धमागधी साहित्य में गणित	डॉ. अनुपम जैन	200
23.	Non-violence Relative Economics and A New Social Order	Prof. B.R.Dugar/Dr. Satya Prajna/ Dr. Samani Ritu Prajna	500
24.	Jain Biology	Late Shri Jetha Lal S. Zaveri / Prof. Muni Mahendra Kumar	200
25.	Samayasara	Late Shri Jetha Lal S. Zaveri / Prof. Muni Mahendra Kumar	450
26.	Jain Paribhasika Sabdakosa	Mukhya Niyojika Sadhvi Vishrutavibha	1125
27.	जैन पारिभाषिक शब्दकोश	मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा (संपा.), (वा.प्र. आचार्य तुलसी, मु.सं. आचार्य महाश्रमण)	995
28.	thou foKku] izs{kk/;ku ,oa ;ksx	MkW- le.kh efYy izKk	160
29.	Bhagavai-2	Acharya Mahaprajna, Eng. trans. by Prof. Muni Mahendra, Kumar & Late Dr. Nathmal Tatia	1695
30.	व्यक्तित्व विकास और योग	डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा	130
31.	The Enigma of the Universe	Prof. Muni Mahendra Kumar	500
32.	Preksha Meditation and Human Health	Prof. J.P.N. Mishra and Dr. P.S. Shekhawat	500
33.	xka/kh n'kZu] 'kkafr o ekuokf/kdkj	MkW- vfuy /kj] MkW- iwtk 'kekZ	150
34.	राजस्थानी साहित्य के विकास में तेरापंथ का योगदान	डॉ. नीता कोठारी	250
35.	प्राकृत भाषा निर्देशिका	डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा	75
36.	Jainism in Modern Perspective (An Enquiry into the Relevance of Jainism in the Modern Context of the World)	Dr. Samani Chaitanya Prajna (ed.), Prof. Samari Kanta Samanta (ed.)	250
37.	Jain Theory of Knowledge and Cognitive Science (An Interdisciplinary Approach)	Dr. Samani Chaitya Prajna	250
38.	Applied Philosophy of Anekant	Dr. Samani Shashi Prajna	150
39.	पूज्यपादेन आचार्यमहाप्रज्ञेन प्रणीता जैनन्यायपंचाशती ¼U;k;izdkf'kdkO;k[;k;qrk½	पं. विश्वनाथ मिश्र	100
40.	आचार्यश्री महाश्रमण : व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व	डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी (संपा.)	
41.	जैन न्याय पारिभाषिक कोश	प्रो. दामोदर शास्त्री	500
42.	Anekanta : Philosophy and Practice	Prof. Anil Dhar	250
43.	दृष्टांत कोष	प्रो. दामोदर शास्त्री	375
44.	Bibliography of Jaina Literature (Jaina Canons and its Commentaries and Non-canonical Original Texts and its Commentaries) (Vol. I)	Dr Rohit Prajna, Dr Agam Prajna, Dr Vandana Mehta	1200
45.	Bibliography of Jaina Literature (General Books, Dictionaries, Encyclopaedias and Reference Books, Manuscript Catalogues) (Vol. II)	Dr Rohit Prajna, Dr Agam Prajna, Dr Vandana Mehta	1200
46.	घरेलू हिंसा		275

For more information please visit : www.jvbi.ac.in